ALL INDIA ASSOCIATION OF COAL EXECUTIVES (AIACE)
ALL INDIA COAL PENSIONERS ASSOCIATION (AICPA)

संदर्भ संख्या: AIACE-AICPA/केंद्रीय/057 *दिनांक 24.8.2025*

प्रेस विज्ञप्ति

अखिल भारतीय कोयला पेंशनभोगी संघ (AICPA) और अखिल भारतीय कोयला अधिकारी संघ (AIACE) ने 15 सितंबर 2025 को कोल इंडिया लिमिटेड कार्यालय, कोलकाता के समक्ष एक दिवसीय शांतिपूर्ण प्रदर्शन की घोषणा की है।

अखिल भारतीय कोयला पेंशनभोगी संघ (AICPA) और अखिल भारतीय कोयला अधिकारी संघ (AIACE), कोल इंडिया लिमिटेड (CIL) और उसकी सहायक कंपनियों के कार्यरत और सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ, 15 सितंबर 2025 को नीचे दिए गए अपने अनसुलझे मुद्दों पर तत्काल ध्यान आकर्षित करने के लिए एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे।

- बार-बार अनुरोध के बावजूद कोयला खदान पेंशन योजना, 1998 (CMPS-1998) के अंतर्गत पेंशन में संशोधन न किया जाना।
- पेंशन कोष की अपर्याप्तता, जिसके कारण हजारों सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अल्प पेंशन मिलती है।
- कोयला मंत्रालय के अंतर्गत एक महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, कोल इंडिया लिमिटेड में अपना संपूर्ण सेवाकाल समर्पित करने वाले कर्मचारियों के लिए दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा की आवश्यकता।
- वेतन बोर्ड के कर्मचारियों के साथ कार्यपालकों के वेतन विवाद का समाधान।
- चिकित्सा संबंधी मामले

कोल इंडिया के कार्यबल – अतीत और वर्तमान दोनों – भारत के ऊर्जा क्षेत्र की रीढ़ रहे हैं। यह अत्यंत अन्यायपूर्ण है कि जिन्होंने देश को शक्ति प्रदान की, उन्हें अब अपर्याप्त पेंशन मिल रही है। हम एक निष्पक्ष और सम्मानजनक पेंशन प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए नीति निर्माताओं, नियामकों और जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप की मांग करते हैं।

AICPA/AIACE, कोल इंडिया लिमिटेड के निवेशकों, शेयरधारकों और हितधारकों से इन लंबे समय से लंबित मुद्दों पर ध्यान देने की सीधी अपील भी करता है। कोल इंडिया लिमिटेड के स्थायी प्रदर्शन, प्रतिष्ठा और दीर्घकालिक लाभप्रदता के लिए एक आर्थिक रूप से सुरक्षित और प्रेरित कार्यबल – सेवारत और सेवानिवृत्त दोनों – अत्यंत महत्वपूर्ण है। पेंशनभोगियों के अधिकारों की अनदेखी न केवल नैतिक चिंताओं को जन्म देती है, बल्कि घरेलू और वैश्विक निवेशकों की नज़र में प्रतिष्ठा संबंधी चुनौतियों का भी जोखिम पैदा करती है, जो कंपनियों को लगातार महत्व दे रहे हैं।

हम शेयरधारकों से आग्रह करते हैं कि वे प्रबंधन और सरकारी अधिकारियों को यह समझाएँ कि पेंशन और अन्य मुद्दों का समय पर समाधान न केवल न्याय का विषय है, बल्कि निवेशकों का विश्वास, सामाजिक सद्भाव और कंपनी की बाज़ार विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए भी आवश्यक है।

यह स्मरणीय है कि, ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ़ कोल पेंशनर्स (AICPA) और ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ़ कोल एक्ज़ीक्यूटिव्स (AIACE), कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनियों, साथ ही सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रतिनिधि निकाय हैं। ये एसोसिएशन पेंशनभोगियों के कल्याण, पेंशन सुधारों और सेवानिवृत्त और सेवारत कोयला क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा उपायों की वकालत करते हैं।

पी. के. सिंह राठौर

संयोजक, AICPA/AIACE